ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
भारत मौसम विज्ञान विभाग
गोविंद बल्लभ पंत कृषि और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय
उधम सिंह नगर, पंतनगर, उत्तराखंड

मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 20-01-2026

उधम सिंह नगर(उत्तराखंड) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2026-01-20 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2026-01-21	2026-01-22	2026-01-23	2026-01-24	2026-01-25
वर्षा (मिमी)	0.0	0.0	1.0	34.0	1.0
अधिकतम तापमान(से.)	25.0	25.0	25.0	21.0	22.0
न्यूनतम तापमान(से.)	5.0	5.0	5.0	5.0	3.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	72	73	85	90	88
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	45	40	83	88	87
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	7	8	9	10	11
पवन दिशा (डिग्री)	300	300	140	130	120
क्लाउड कवर (ओक्टा)	1	1	3	5	3
चेतावनी	कोई चेतावनी नहीं	कोई चेतावनी नहीं	कोई चेतावनी नहीं	आंधी और बिजली, तूफ़ान आदि; तेज़ सतही हवाएँ	कोई चेतावनी नहीं

पूर्वानुमान सारांश:

पिछले सात दिनों (13 से 19 जनवरी) में 0.0 मिमी वर्षा दर्ज की गई, जिसमें अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 10.5 से 23.5 डिग्री सेल्सियस और 1.1 से 6.8 डिग्री सेल्सियस के बीच रहा। पिछले सप्ताह अधिकांश दिनों में सुबह के समय घना कोहरा छाया रहा और अत्यधिक ठंड पड़ी। पिछले सप्ताह शुष्क और ठंडी जलवायु बनी रही। सुबह 7:12 बजे सापेक्ष आर्द्रता 92 से 100% के बीच और शाम को 14:12 बजे सापेक्ष आर्द्रता 40 से 92% के बीच रही। हवा की गति 1.0 से 5.0 किमी प्रति घंटा थी और हवा की दिशा अधिकतर पश्चिम, पश्चिम-उत्तर-पश्चिम और पश्चिम-दक्षिण-पश्चिम थी। आगामी 5 दिनों के पूर्वानुमान में 1.0-34.0 मिमी हल्की से मध्यम वर्षा होने की संभावना है। अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 21.0-25.0 डिग्री सेल्सियस और 3.0-5.0 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है। हवा की गति 7-11 किमी प्रति घंटा रहने की संभावना है और यह उत्तर-पश्चिम-पश्चिम, दक्षिण-पूर्व और दक्षिण-पूर्व-पूर्व दिशाओं में चलेगी। 23 जनवरी को गरज, बिजली, तेज हवाओं और तूफान की आशंका को देखते हुए पीली चेतावनी जारी की गई है।

मौसम चेतावनियाँ (अगले दिन के 08:30 IST तक मान्य):

23 जनवरी के लिए आंधी, बिजली, तेज हवा आदि और तेज सतही हवाओं के होने के संबंध में पीली चेतावनी के अलावा कोई महत्वपूर्ण चेतावनी नहीं दी गई है।

मौसम चेतावनियों के कृषि पर संभावित प्रभाव और संबंधित एग्रोमेट सलाह:

तेज हवाओं के दौरान फसलों में रासायनिक पदार्थों के प्रयोग में बाधा उत्पन्न हो सकती है, इसलिए इससे बचना चाहिए।

सामान्य सलाहकार:

मेघदूत ऐप पर मौसम पूर्वानुमान और कृषि-मौसम विज्ञान संबंधी सलाह नियमित रूप से अपडेट की जाती है। बिजली गिरने की जानकारी के लिए दामिनी ऐप भी उपलब्ध है। मेघदूत और दामिनी ऐप गूगल प्ले स्टोर (एंड्रॉइड उपयोगकर्ता) और ऐप सेंटर (आईओएस उपयोगकर्ता) से डाउनलोड किए जा सकते हैं। 17 से 23 जनवरी तक के विस्तारित पूर्वानुमान के अनुसार, काफी कम वर्षा और अधिकतम-न्यूनतम तापमान का रुझान सामान्य रहेगा।

लघु संदेश सलाहकार:

आईएमडी के अनुसार, गरज, बिजली, तेज हवाओं और सतह पर तेज हवाओं के होने की संभावना को लेकर पीली चेतावनी जारी की गई है, इसलिए हवा चलने की स्थिति में रसायनों का प्रयोग करने से बचना चाहिए।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
मसूर की दाल	फसलों में नियमित रूप से निराई-गुड़ाई करनी चाहिए और आवश्यकतानुसार सिंचाई करनी चाहिए। चना/मसूर की फसल में महू के हमले की स्थिति में अनुशंसित उपायों का पालन करना चाहिए। तेज हवा चलने की स्थिति में रासायनिक स्प्रे से बचना चाहिए।
रेपसीड	देर से बोई गई सरसों की फसल की कटाई पकने पर करनी चाहिए, जबकि सरसों (राई) की सिंचाई फूल आने और फली बनने के समय करनी चाहिए। सरसों में कीट और रोग के हमले की नियमित निगरानी करनी चाहिए और नियंत्रण के लिए अनुशंसित तरीकों का पालन करना चाहिए। अल्टरनेरिया ब्लाइट की स्थिति में, मैनकोज़ेब 75% 2 कि.ग्रा./हेक्टेयर को 800-1000 लीटर पानी में मिलाकर 10 दिनों के अंतराल पर 2-3 बार छिड़काव करना चाहिए और सफेद रतुआ की स्थिति में, मेटालेक्सिल 35 डब्लूएस या रिडोमिल एमजेड 72 2.5 कि.ग्रा./हेक्टेयर को 800-1000 लीटर पानी में मिलाकर 10 दिनों के अंतराल पर 2-3 बार छिड़काव करना चाहिए। डाउनी मिल्ड्यू रोग का उपचार मेटालेक्सिल 35 डब्लूएस या रिडोमिल एमजेड 72 2 कि.ग्रा./हेक्टेयर को 500 लीटर पानी में मिलाकर 1-2 बार छिड़काव करके किया जा सकता है। तेज हवा चलने की स्थिति में किसी भी प्रकार के रसायन का प्रयोग करने से बचना चाहिए।
सरसों	देर से बोई गई सरसों की फसल की कटाई पकने पर करनी चाहिए, जबकि सरसों (राई) की सिंचाई फूल आने और फली बनने के समय करनी चाहिए। सरसों में कीट और रोग के हमले की नियमित निगरानी करनी चाहिए और नियंत्रण के लिए अनुशंसित तरीकों का पालन करना चाहिए। अल्टरनेरिया ब्लाइट की स्थिति में, मैनकोज़ेब 75% 2 कि.ग्रा./हेक्टेयर को 800-1000 लीटर पानी में मिलाकर 10 दिनों के अंतराल पर 2-3 बार छिड़काव करना चाहिए और सफेद रतुआ की स्थिति में, मेटालेक्सिल 35 डब्लूएस या रिडोमिल एमजेड 72 2.5 कि.ग्रा./हेक्टेयर को 800-1000 लीटर पानी में मिलाकर 10 दिनों के अंतराल पर 2-3 बार छिड़काव करना चाहिए। डाउनी मिल्ड्यू रोग का उपचार मेटालेक्सिल 35 डब्लूएस या रिडोमिल एमजेड 72 2 कि.ग्रा./हेक्टेयर को 500 लीटर पानी में मिलाकर 1-2 बार छिड़काव करके किया जा सकता है। तेज हवा चलने की स्थिति में किसी भी प्रकार के रसायन का प्रयोग करने से बचना चाहिए।
गेहूँ	देर से बोई गई फसल में खरपतवार उगने की स्थिति में, हाथ से निराई और कुदाल चलाना चाहिए या सिफारिश के अनुसार रासायनिक उर्वरक का प्रयोग करना चाहिए। साथ ही आवश्यकतानुसार सिंचाई भी करनी चाहिए। जस्ता की कमी होने पर, फसल के लिए जस्ता सल्फेट के अनुशंसित मात्रा में छिड़काव करना चाहिए और बीमारियों की नियमित निगरानी करनी चाहिए। पीली रतुआ रोग की निगरानी करनी चाहिए। तेज हवा चलने की स्थिति में किसी भी रासायनिक छिड़काव से बचना चाहिए।
जौ	देर से बोई गई फसल की निराई-गुड़ाई और निराई नियमित रूप से करते रहें और आवश्यकतानुसार सिंचाई करें। तेज हवा की स्थिति में रासायनिक छिड़काव से बचना चाहिए।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
प्याज	प्याज की रोपाई पूरी हो जानी चाहिए और तेज हवा चलने की स्थिति में किसी भी प्रकार के रासायनिक प्रयोग से बचना चाहिए। आवश्यकतानुसार सिंचाई करें।
सब्जी पीईए	फसलों में नियमित रूप से निराई-गुड़ाई करनी चाहिए और आवश्यकतानुसार सिंचाई करनी चाहिए। मटर की फलियों या तने में सफेद रुई जैसी वृद्धि होने पर, संक्रमित पौधों को हटाकर नष्ट कर देना चाहिए। तेज हवा चलने की स्थिति में किसी भी प्रकार के रासायनिक प्रयोग से बचना चाहिए।
टमाटर	फसल में रोग फैलाने वाले कीटों की नियमित निगरानी की जानी चाहिए और अनुशंसित तरीकों से उनका नियंत्रण किया जाना चाहिए। टमाटर में लगने वाले लेट ब्लाइट रोग को नियंत्रित करने के लिए

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
	मैनकोज़ेब के 2.5 ग्राम/लीटर पानी के घोल का छिड़काव करने की सलाह दी जाती है। तेज़ हवा चलने की स्थिति में किसी भी रासायनिक पदार्थ का प्रयोग करने से बचना चाहिए।
मिर्च	फसल में रोग फैलाने वाले कीटों की नियमित निगरानी की जानी चाहिए और अनुशंसित तरीकों से उनका नियंत्रण किया जाना चाहिए। मिर्च में लगने वाले लेट ब्लाइट रोग को नियंत्रित करने के लिए मैनकोज़ेब के 2.5 ग्राम/लीटर पानी के घोल का छिड़काव करने की सलाह दी जाती है। तेज़ हवा चलने की स्थिति में किसी भी रासायनिक पदार्थ का प्रयोग करने से बचना चाहिए।
आलू	आलू में लगने वाले पछेती झुलसा रोग को नियंत्रित करने के लिए, मैनकोज़ेब के 2.5 ग्राम/लीटर पानी के घोल का छिड़काव करने की सलाह दी जाती है। तेज़ हवा की स्थिति में किसी भी रासायनिक पदार्थ का प्रयोग करने से बचना चाहिए।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
भेंस	पशुओं को सर्दी से बचाने के लिए, उनके भोजन में तेल और गुड़ की मात्रा बढ़ाएँ। पशुओं को अजवाइन और गुड़ भी दें। पशुओं को सर्दी से बचाने के लिए, उनके लिए उचित बाड़ा बनाएँ। पशुओं को शीतला रोग से बचाने के लिए उनका टीकाकरण करें। अतिरिक्त ऊर्जा की आवश्यकता को पूरा करने के लिए उनके चारे में 10% की वृद्धि करें।
गाय	पशुओं को सर्दी से बचाने के लिए, उनके भोजन में तेल और गुड़ की मात्रा बढ़ाएँ। पशुओं को अजवाइन और गुड़ भी दें। पशुओं को सर्दी से बचाने के लिए, उनके लिए उचित बाड़ा बनाएँ। पशुओं को शीतला रोग से बचाने के लिए उनका टीकाकरण करें। अतिरिक्त ऊर्जा की आवश्यकता को पूरा करने के लिए उनके चारे में 10% की वृद्धि करें।

मुर्गी पालन विशिष्ट सलाह:

मुर्गी पालन	मुर्गी पालन विशिष्ट सलाह
मुर्गी	पशुचिकित्सक के निर्देशानुसार, उनके आहार में कवक की वृद्धि के कारण होने वाले एफ्लाटॉक्सियोसिस के लिए दवा दी जानी चाहिए।

मौसम चेतावनियों के संभावित प्रभाव (सामान्य):

तेज हवाओं के कारण रासायनिक अनुप्रयोगों में व्यवधान उत्पन्न हो सकता है।

प्रभाव आधारित सलाह (सामान्य):

तेज हवाओं की स्थिति में फसलों पर रसायनों का प्रयोग करने से बचें।

Farmers are advised to download Unified ﷺ and "Meghdoot" android application on mobile for Weather forecast and weather based Agromet Advisories and "Damini" android application for forecast of Thunderstorm and lightening.

Mausam MobileApp link: https://play.google.com/store/apps/details/

Meghdoot MobileApp link: https://play.google.com/store/apps/details

Damini MobileApp link : https://play.google.com/store/apps/details